

|  | **Eyðublað vegna umsagnar um drög að leiðbeinandi tilmælum um aðgerðir gegn peningaþvætti og fjármögnun hryðjuverka, sbr. umræðuskjal nr. 7/2014**  | **Tímafrestur5. maí 2014Fyrir klukkan 16:00** |
| --- | --- | --- |
| Nafn umsagnaraðila: | [Nafn umsagnaraðila] |  |
| Upplýsingar um umsagnir: | **Fjármálaeftirlitið gerir allar umsagnir aðgengilegar á heimasíðu sinni.**Óski umsagnaraðili eftir því að farið verði með umsögn hans sem trúnaðarmál skal merkja við reit þar að lútandi hér til hliðar. Jafnframt skal umsagnaraðili *rökstyðja sérstaklega* í dálki vegna almennra athugasemda hér að neðan hvers vegna hann óskar eftir trúnaði.Þrátt fyrir að farið verði með umsögn sem trúnaðarmál *mun Fjármálaeftirlitið taka fram á heimasíðu sinni að umsögn hafi borist frá viðkomandi umsagnaraðila en að trúnaðar um efni umsagnar hafi verið óskað.* | **[ ] Trúnaðarmál** |
|  | **Vinsamlegast fylgið eftirfarandi leiðbeiningum við útfyllingu eyðublaðs þessa:** * Vinsamlegast setjið almennar umsagnir og athugasemdir við umræðuskjalið í dálkinn „Almenn umsögn“.
* Vinsamlegast fyllið inn umsagnir um einstök ákvæði umræðuskjalsins í viðeigandi dálk. Séu engar athugasemdir við viðkomandi grein skal línu haldið auðri.
* Númer í tilvísunardálki hér að neðan vísa til ákvæða í umræðuskjali nr. 4/2014 vegna umsagnar um drög að leiðbeinandi tilmælum um áhættustýringu og starfssvið tryggingastærðfræðings hjá vátryggingafélögum.
* Eigi athugasemdin við um fleiri en eitt ákvæði, vinsamlegast setjið athugasemdina við fyrsta ákvæðið sem viðkomandi athugasemd á við og tilgreinið einnig önnur þau ákvæði sem athugasemdin nær til.

**Vinsamlegast sendið eyðublað þetta útfyllt á .docx (Word) sniði á netfangið** **fme@fme.is****.**  |  |
| **Tilvísun** | **Umsögn** |
| Almenn umsögn | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |
|  | [Umsögn] |